जापान-सिंगापुर की कंपनियां निवेश पर सहमत

दावा

ग्रेटर नोएडा, कार्यालय संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दूसरे चरण में विकसित होने वाले एमआरओ (मेंटीनेंस, रिपेयरिंग एंड ओवरहॉलिंग) हब को जल्द गति मिलेगी। सिंगापुर और जापान की कई कंपनियों ने यमुना सिटी में निवेश की इच्छा जताई है।

बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सिंगापुर व जापान के दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल ने निवेशकों से मुलाकात की थी। प्रतिनिधिमंडल में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ आरके सिंह भी शामिल थे। अधिकारी के मुताबिक सिंगापुर की प्रमुख विमानन मेंटीनेंस कंपनी एसआईए इंजीनियरिंग ने यमुना सिटी में निवेश की इच्छा जताई है। अब आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सिंगापुर एयरपोर्ट टर्मिनल सर्विसेज ने भी कार्गो हैंडलिंग क्षेत्र में निवेश की सहमति जताई है। डेटा सेंटर और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डाटा सेंटर, सिंगापुर मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी और ब्लैक स्टोन जैसी संस्थाओं ने यमुना सिटी में संभावनाएं तलाशने की बात कही है। मैपल ट्री लॉजिस्टिक ट्रस्ट ने यहां यूनिट स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किया है।

> बुनियादी सुविधाएं बेहतर होने की वजह से यमुना सिटी में निवेश की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। विदेशी निवेशकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन रही है। सिंगापुर और जापान दौरा अत्यंत सफल रहा। बड़ा निवेश आने की उम्मीद है। -आरके सिंह, सीईओ, यीडा

जापान दौरे के दौरान जेट्रो ने जापानी इंडस्ट्रियल सिटी विकसित करने में सहयोग की प्रतिबद्धता जताई। वहीं, होंडा मोटर कंपनी, सुजुकी मोटर कारपोरेशन, और कोबोटा कारपोरशन सहित कई कंपनियों ने निवेश योजनाएं प्रस्तुत कीं। बता दें कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दूसरे चरण में 1365 हेक्टेयर क्षेत्र में एमआरओ हब विकसित किया जाना है, जिसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। प्राधिकरण की योजना एमआरओ हब में वैश्विक विमान निर्माता कंपनियों बोइंग और एयरबस को भी आकर्षित करने की है, ताकि यहां अत्याधुनिक हैंगर और विमान मरम्मत सुविधाएं स्थापित की जा सकें।